सच्ची उपासना करने का फैसला कीजिए (भाग 1)

बाइबल असल में क्या सिखाती है? के अध्याय 16 पर आधारित। यह किताब jw.org पर उपलब्ध है।

मकसद: जाँचिए कि आप क्या मानते हैं और ऐसा क्यों मानते हैं। देखिए कि बाइबल क्या सिखाती है और आप जो मानते हैं वह दूसरों को कैसे समझा सकते हैं।

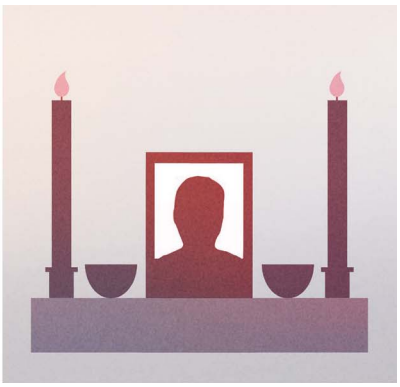

सच्ची उपासना करने का फैसला करना, इसका क्या मतलब है?

1 जाँचिए कि आप क्या मानते हैं

कुछ लोग शायद क्या कहें?

_____

_____

आप क्या मानते हैं?

_____

_____

आप ऐसा क्यों मानते हैं?

_____

_____

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

2 जानिए कि पवित्र शास्त्र क्या सिखाता है

सच्ची उपासना करने का मतलब है, सिर्फ यहोवा की भक्ति करना।
(*बाइबल सिखाती है* किताब के अध्याय 16 के पैराग्राफ 1-5 देखें।)

निर्गमन 20:4, 5 और 1 यूहन्ना 5:21 पढ़िए।
इन आयतों के आधार पर बताइए कि मूर्ति-पूजा के बारे में परमेश्वर क्या सोचता है।

व्यवस्थाविवरण 18:10-12 पढ़िए।
पूर्वजों की पूजा करना एक तरह का जादू-टोना है। इन आयतों के आधार पर बताइए कि इस बारे में परमेश्वर क्या सोचता है।

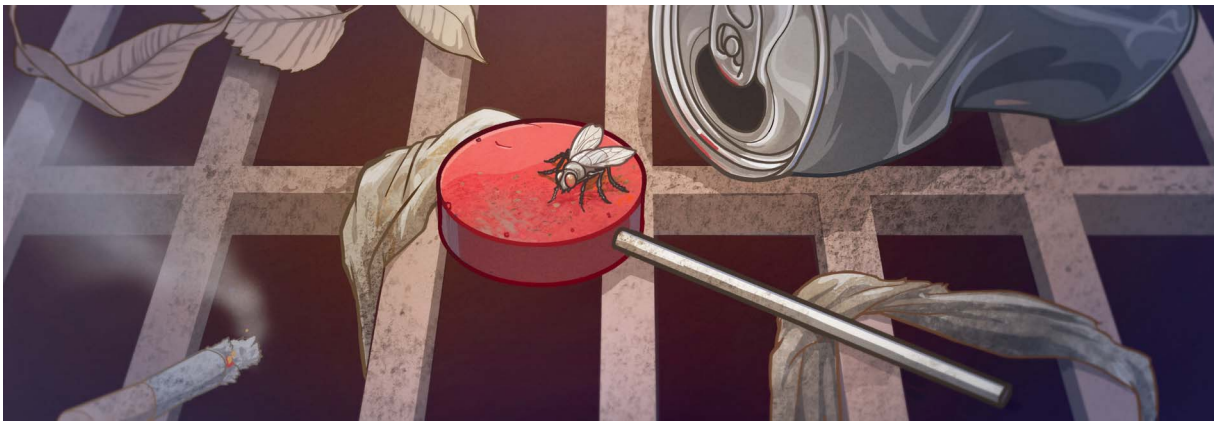

गंदी नाली से उठायी लॉलीपॉप आप कभी नहीं खाएँगे, तो क्या आप ऐसे त्योहार या दिवस मनाएँगे, जिनकी शुरूआत झूठे धर्मों से हुई है?

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

सच्ची उपासना करने का मतलब यह भी है कि हम वे त्योहार और दिवस न मनाएँ, जो परमेश्वर को पसंद नहीं।

(*बाइबल सिखाती है* किताब के अध्याय 16 के पैराग्राफ 6-12 देखें।)

उत्पत्ति 40:20 और मरकुस 6:21 पढ़िए।

बाइबल में सिर्फ दो बार जन्मदिन मनाने का ज़िक्र मिलता है और वह भी उनका, जो यहोवा की उपासना नहीं करते थे। यह बात क्यों गौर करने लायक है?

यशायाह 52:11 और इफिसियों 5:10 पढ़िए।

किसी धार्मिक त्योहार या रीति-रिवाज़ की शुरूआत पर ध्यान देना क्यों बहुत ज़रूरी है?

आपने सच्ची उपासना करने की क्यों ठान ली है?

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

3 समझाइए कि आप क्या मानते हैं

अगर कोई कहे . . .

मैं मूर्तियों की *पूजा* नहीं करता, वे तो बस ईश्वर से बात करने या उसके करीब जाने का साधन हैं।

आप कह सकते हैं . . .

यह अच्छी बात है कि आप ईश्वर से प्रार्थना करके उसके करीब जाना चाहते हैं। लेकिन उसके करीब जाने और मूर्तियों का इस्तेमाल करने में फर्क है, क्योंकि . . .

_____

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह व्यक्ति जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?

_____

अगर कोई कहे . . .

आजकल लोग जन्मदिन या त्योहार धार्मिक कारणों से नहीं मनाते। इस बहाने बस परिवार के सभी लोग इकट्ठा होकर थोड़ा वक्त बिता लेते हैं।

आप कह सकते हैं . . .

परिवार के साथ वक्त बिताना ज़रूरी है। लेकिन मेरा मानना है कि किसी त्योहार या दिवस की शुरूआत के बारे में जानना भी ज़रूरी है, क्योंकि . . .

_____

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह व्यक्ति जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?

_____

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania